ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

मैं खुशनसीब आत्मा हूँ..

POWER OF HAPPINESS

परमात्म इशारे

जितना बात को पकड़ोगे,
उतना ही भारी रहोगे,
छोड़ दोगे तो हल्के हो जाओगे।

छोड़ना अर्थात् अपनी पतवार
परमात्मा पिता के हवाले कर देना।

CH. 1221 d2h
CH. 1087 dishtv
CH. 1065 TATA PLAY
Peace of Mind
CH. 678 airtel digital TV
CH. 496 SUN DIRECT
CH.235 JioTV

बुद्धि में बार-बार यही स्मृति रखो हम परमधाम निवासी हैं। कर्त्तव्य अर्थ यहाँ आये हैं। फिर वापस जाना है। जितना बुद्धि को इन बातों में बिजी रखेंगे तो फिर भटकेंगे नहीं।

Avyakt Murli - 24-01-1970

BRAHMA KUMARIS
Education Wing, Mount Abu

/AvyaktMurliEssence

Vyarth Sankalpon Ka Paper

प्रश्न :- कौन-सा लक्ष्य रखने से सदा विजयी बन सकते हैं?

उत्तर:- हम अभी के विजयी नहीं, कल्प-कल्प अनेक बार के विजयी हैं। जो बात अनेक बार की जाती है, तो वह स्वभाव-संस्कार में स्वत: ही आ जाती है। जैसे आज की दुनिया में जो बात नहीं करनी चाहिये परन्तु वह कर लेते हैं, तो कह देते हैं कि यह तो मेरा संस्कार बन गया है। तो यहाँ भी अनेक बार के विजयी होने की 'स्मृति विजय का संस्कार बना' देगी।

प्रश्न :- व्यर्थ को समर्थ बनाने की तेज मशीनरी कौन-सी होनी चाहिए?

उत्तर:- जैसे कोई भी चीज की मशीनरी पॉवरफुल होती है, तो काम तेजी से होता है, तो यहाँ भी व्यर्थ संकल्प को समर्थ करने के लिए बुद्धि रूपी मशीनरी पॉवरफुल हो। बुद्धि भी पॉवरफुल तब होगी जब बुद्धि का पॉवर हाउस से कनेक्शन होगा। यहाँ कनेक्शन टूटता तो नहीं लेकिन लूज़ ज़रूर हो जाता है, अत: अब वह भी लूज़ नहीं होना चाहिए। तभी व्यर्थ को समर्थ बना सकेंगे।

प्रश्न :- ब्राह्मण जीवन का मुख्य कर्त्तव्य क्या है?

उत्तर:- बाप के याद में सदा स्मृति स्वरूप होकर रहना। जैसे मिश्री मिठास का रूप होती है वैसे ही याद स्वरूप ऐसे हो जाओ कि याद अलग ही न हो सके। अगर बाप की याद छोड़ी तो बाकी रहा ही क्या? जैसे शरीर से आत्मा निकल जाय तो उसे मुर्दा ही कहेंगे? वैसे ही यदि ब्राह्मण जीवन से याद निकल जाय तो ब्राह्मण जीवन क्या हुआ? तो ऐसा याद-स्वरूप बनना है, तो ब्राह्मण जीवन का कर्त्तव्य है - याद-स्वरूप बनना।--11-10-1975

Achanak Aur Eveready

Today's Awareness

Brahma Kumaris

I, the soul, a point of light, I am the child of the Supreme Soul, a Point of Light. I inherit Heavenly inheritance of happiness and peace from Him as my birth right.

Belief System –

"If we are Nice always People take us for Granted."

Nice means Responding with Stability.

Nice means not Copying their wrong.

Express your opinion assertively.

Refuse to be Exploited or abused.

Do it with Peace, Respect and Dignity.

Goodness is POWER.

IT'S YOUR STRENGTH.

Happiness is not a one day excitement, it is a life long commitment with oneself.
BRAHMA KUMARIS

"I am a POWERFUL BEING.
In every situation...
with every person today ...
I am stable ... I do not allow energy
Of the situation to overpower me ...
I influence the situation with my stability.

My vibration of peace and positivity changes
Vibration of situations & the souls involved."

BKShivani

Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website: www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW www.IshvariyaKhajana.BKhq.org